IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 1, January 2024

हिन्दी कुंजीपटल का स्वरूप एवं विकास

डॉ. वंदना त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक, शास. कन्या महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
विवेक कुमार पाण्डेय
शोधार्थी, शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांशः किसी भी पाठ को आकर्षक और पाठकों में उसके प्रदर्शन के प्रति रुचि उत्पन्न करने में जहाँ फॉण्ट महत्वपूर्ण है, वहीं टंकण विधि या कुंजीपटल का भी अपना महत्व है। क्वार्ट और लिप्यन्तरण। ध्वन्यात्मक कुंजीपटलों ने हिन्दी टाइपिंग को आसान बनाया है। लातीनी भाषा की तुलना में भारतीय भाषाओं में स्वर और व्यंजन अधिक है। इसी से हिन्दी टाईपिंग में अभी भी कतिपय समस्याएँ उपस्थित होती है। इस दिशा में स्वर और व्यंजन अधिक है। इसी से हिन्दी टाइपिंग को आसान होगी। वर्तमान में विभिन्न कुंजीपटल उपयोग अधिकाधिक तौर पर प्रयुक्त किए जा रहे हैं। सरलतम और बहुपयोगी कुंजीपटल विकसित करने का लक्ष्य भारतीय भाषाओं में टाइपिंग को सक्षम बनाना है।

मूल शब्दः क्वार्टी (QWERTY) कुंजीपटल ध्वन्यात्मक कुंजीपटल, इंस्क्रिप्ट हिन्दी कुंजीपटल, रेमिंगटन गेल कुंजीपटल रेमिंगटन क्लासिक कुंजीपटल रेमिंगटन सी वी आई कुंजीपटल, मोबाइल कुंजीपटल।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. कैलाशचन्द्र भाटिया और मोतीलाल चतुर्वेदी, हिन्दी भाषा : विकास और स्वरूप, प्रभात प्रकाशन, 2009
2. Pratiyogita darpan Oct. 2017, 184 Pages, Vol. 2 P. 16
3. Report of the Department of official language

इंटरनेट स्रोतः–

1. http://indiatypining.com (भारतीय भाषाओं में टंकण की विस्तृत जानकारी वाला जालस्थल)
2. http://hindinest.com